





# भा रे गा मा

● राजेश उत्साही

कँपने वाले दिनों के बाद तपने वाले दिन अच्छे लगते हैं, और तपने वाले दिनों के बाद बरसने वाले दिन! तो बरसने वाले दिनों में बरसने का गीत। बरसात आने पर हमारे आसपास क्या बदलाव होते हैं, यह इस गीत में है। बरसात और बहुत कुछ भी लाती है, वह क्या-क्या है? यह तुम बताओ!

घनन घनन घनन (११)

घनन घनन घिर घिर आए बदरा

घने घनघोर कारे छाये बदरा

धमक धमक गूँजे बदरा की दनके

चमक चमक देखो बिजुरिया चमके

मन धड़काए बदरवा

मन धड़काए बदरवा

काले मेघा काले मेघा पानी तो बरसाओ

काले मेघा काले मेघा पानी तो बरसाओ

बिजुरी की तलवार नहीं, बूँदों के बान चलाओ

मेघा छाए, बरखा लाए

घिर घिर आए, घिरके आए

कहे ये मन मचल-मचल

न यूँ चल सँभल-सँभल

गए दिन बदल, तू घर से निकल

बरसने वाला है अब अमृत जल

दुविधा के दिन बीत गए

भैया मल्हार सुनाओ

घनन घनन घिर घिर आए बदरा....

रस अगर बरसेगा, कौन फिर तरसेगा

कोयलिया गाएगी बैठी मुँडेरों पर

जो पंछी गाएँगे, नए दिन आएँगे

उजाले मुस्करा देंगे अँधेरों पर

प्रेम की बरखा में भीगे-भीगे तन-मन

धरती पे देखेंगे पानी का दरपन

जाइयो तुम जहाँ-जहाँ

देखियो वहाँ-वहाँ

यही एक समौं

कि धरती यहाँ

है पहने सात रंगों की चुनरियाँ

घनन घनन घिर घिर आए बदरा...

पेड़ों पर झूले डालो और ऊँची पेंग बढ़ाओ

काले मेघा काले मेघा पानी तो बरसाओ (२)

बिजुरी की तलवार नहीं, बूँदों के बान चलाओ

आई है रुत मतवाली, बिछाने हरियाली

ये अपने संग में लाई है सावन को

ये बिजुरी की पायल, ये बादल का आँचल

सजाने लाई है धरती की दुल्हन को

डाली-डाली पहनेगी फूलों के कंगन

सुख अब बरसेगा आँगन-आँगन

खिलेगी अब कली-कली, हँसेगी अब गली-गली

हवा जो चली तो रुत लगी भली

जला दे जो तन-मन वो धूप ढली

घनन घनन घनन - २

काले मेघा, काले मेघा पानी तो बरसाओ,

बिजुरी की तलवार नहीं, बूँदों के बान चलाओ

घनन घनन घिर घिर आए बदरा....

फिल्म - लगान

संगीतकार - ए. आर. रहमान

गीतकार - जावेद अख्तर

गायक - जदित नारायण, अलका

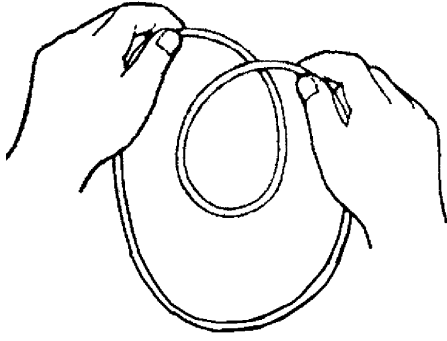
याग्निक, सुखविंदर सिंह, शंकर

महादेवन, शान तथा किशोरी

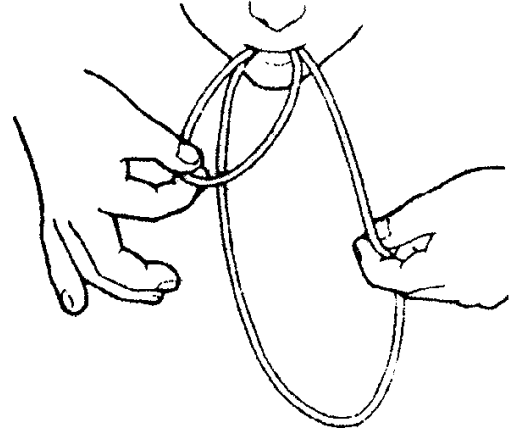
गोवारीकर



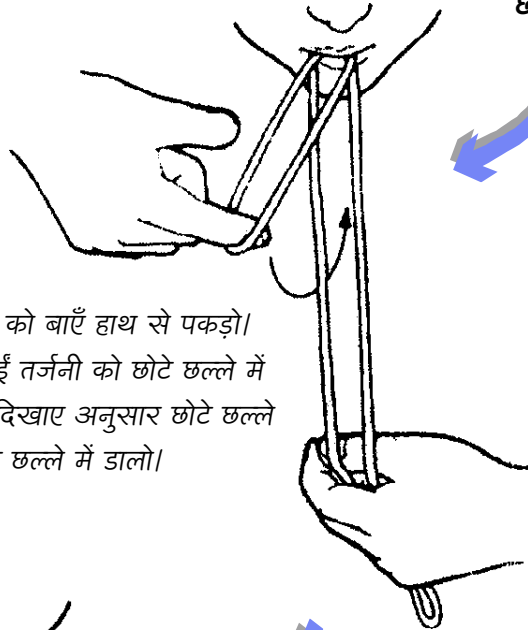
# जादुई छल्ला



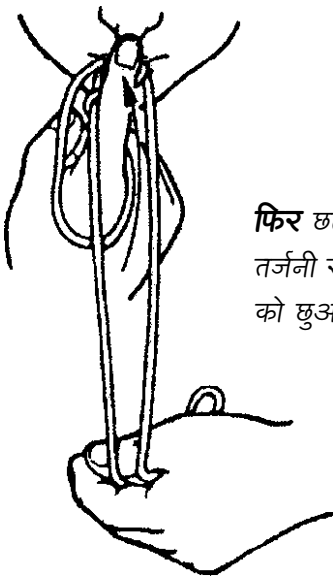
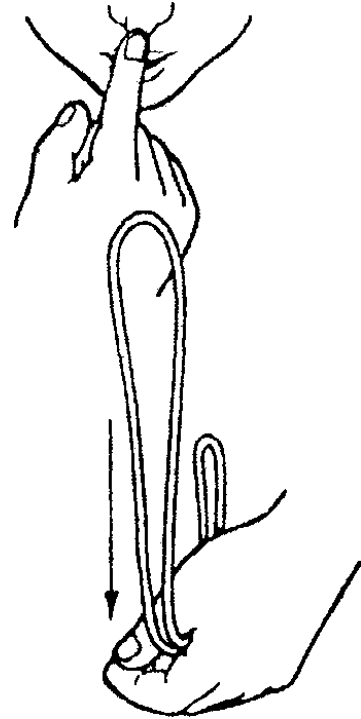
डोरी का एक छल्ला बनाओ। उसे अपने दोनों हाथों से पकड़ो। फिर दाएँ हाथ की डोरी को ऊपर रखकर इस बड़े छल्ले में एक छोटा छल्ला बनाओ।



छल्लों के ऊपरी सिरों को अपने दाँतों से पकड़ो।



अब बड़े छल्ले को बाएँ हाथ से पकड़ो। और अपनी दाईं तर्जनी को छोटे छल्ले में डालो। चित्र में दिखाए अनुसार छोटे छल्ले को नीचे से बड़े छल्ले में डालो।



फिर छल्ले सहित तर्जनी से अपनी नाक को छुओ।

यह एक जादुई छल्ला है जो अपने आप बंद हो जाता है। इसे बनाने के लिए आपको एक डोरी की आवश्यकता है। इसे दो हाथों से पकड़ें और एक छोटे छल्ला बनाएं। फिर इसे बड़े छल्ले में डालें।







